

नटखट वि. (देश.) 1. अस्थिर एवं चंचल स्वभाव वाला, निरंतर कुछ न कुछ करते रहने वाला चाहे हानि हो क्यों न हो जाए, उपद्रवी ऊधमी, शरीर 2. चालाक, धूर्त, पाजी।

नटखटी स्त्री. (देश.) नटखट होने का भाव, शरारत, चालाकी।

नटचर्या स्त्री. (अर.) नट का कार्य, अभिनय।

नटता स्त्री. (तत्.) 1. नट होने का भाव 2. नट का काम 3. अभिनय कला।

नटन पुं. (तत्.) 1. नृत्य करना, नाचना 2. अभिनय करना।

नटना अ.क्रि. (तत्.) 1. इंकार करना, मुकरना, कहकर बदल जाना उदा. 'कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत लजियात' -बिहारी 2. नाट्य करना, अभिनय करना 3. नष्ट होना **स.क्रि.** नष्ट करना, 'नटैलेक दोऊ हठी एक ऐसे' -केशव पुं. 1. बांस की बनी छल्ली जिससे रस छाना जाता है 2. मछली पकड़ने का वह बड़ा टोकरा जिसका पेंदा कटा होता है।

नटनागर पुं. (तत्.) कृष्ण।

नटनायक पुं. (तत्.) नटों में प्रधान, श्री कृष्ण, 'नटनायक नंदलाल को मन पकरि नचावै' -घनानंद।

नटनारायण पुं. (तत्.) संगीत. एक संपूर्ण जाति का राग जो हेमंत ऋतु में रात के समय गाया जाता है, इसे संकर जाति का राग भी मानते हैं, एक मान्यता के अनुसार यह षाडव जाति का वर्ष के तीसरे पहर में गाया जाने वाला एक राग है।

नटनी स्त्री. (तद्.) 1. नट की स्त्री 2. नट जाति की स्त्री उदा. 'नटनी डोमिन ढाटिनि सहनायन पटकार' -जायसी।

नटपत्रिका स्त्री. (तत्.) बेंगन, भांटा।

नटट्टा पुं. (तत्.) नट की गेंद जो खेल के समय तेजी से हवा में उछालते हैं।

नटबर वि. (तद्.) बहुत चतुर या चालाक या धूर्त (व्यक्ति)।

नटबाजी स्त्री. (तत्.+फा.) नट का कार्य या उसकी कला।

नटमल पुं. (तत्.) एक राग।

नटमल्हार पुं. (तत्.) संपूर्ण जाति का शुद्ध स्वरों वाला संकर राग जो नट और मल्हार के योग से बनता है।

नटरंग पुं. (तत्.) 1. रंगमंच।

नटराज पुं. (तत्.) 1. निपुण नट या प्रधान, श्रेष्ठ नट 2. श्री कृष्ण 3. भगवान शंकर 4. शिव की प्रसिद्ध नृत्यमुद्रा की मूर्ति का नाम।

नटवना स.क्रि. (तद्.) नाट्य करना, अभिनय करना, स्वांग करना।

नटवर वि. (तत्.) बहुत चालाक या धूर्त (व्यक्ति) पुं. 1. नटों का मुखिया, प्रमुख नट, अत्यंत प्रवीण नट 2. श्री कृष्ण 3. नाटक का सूत्रधार 4. उत्कृष्ट या श्रेष्ठ मनुष्य।

नटवा पुं. (देश.) छोटी कद-काठी का या कम उम्र वाला बैल।

नटसंज्ञक पुं. (तत्.) 1. हरताल, गोदंती 2. नट, अभिनेता।

नटसाल स्त्री. (तद्.) 1. कांटे का टूटकर शरीर में रह जाने वाला भाग 2. बाण की गाँसी जो शरीर के भीतर रह जाए 3. फाँस जो बहुत छोटी होने से नहीं निकाली जा सकती 4. कसक, पीड़ा, मानसिक व्यथा जो स्मरण से होती है उदा. 'उठे सदा नटसाल सी सौतिन के उरसालि' -बिहारी।

नटांतिका स्त्री. (तत्.) 1. लज्जा, संकोच जिसके कारण नाट्य नहीं हो पाता (नाटक में बाधक)।

नटाई स्त्री. (देश.) जुलाहों का वह औजार जिससे किनारे का ताना तानते हैं।

नटित पुं. (तत्.) 1. अभिनय, हाव भाव **वि.** ऊबा हुआ या थका हुआ।